

चंडीगढ़, 9 अप्रैल- भारत ऐसा देश है जो सबको स्वीकार करता है। इसी ने विश्व को सहिष्णुता और 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया है, जोकि जैन धर्म के 'अनेकांतवाद' के सिद्धांत में निहित है। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने आज स्थानीय लाँ भवन में भगवान महावीर के 2616वीं जयंती समारोह में अपने सम्बोधन में व्यक्त किए। जयंती समारोह का आयोजन अणुव्रत समिति द्वारा किया गया था।

राज्यपाल ने आगे कहा कि भारत के पास भौतिकता और समृद्धि दोनों हैं लेकिन इससे भी बढ़कर हमारे पास दर्शन है जिसे सदियों से भगवान महावीर जैसे महापुरुषों ने पोषित किया है। आज विश्व में जो अशांति, हिंसा तथा आतंक फैला हुआ है, उसमें भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सहिष्णुता व अहिंसा की शिक्षा ही रास्ता दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर हम सबके हृदय में बसे हैं लेकिन हम हृदय की गूंज न सुनकर मन की बात मानते हैं। इसलिए महावीर जयंती पर हमें उनकी शिक्षाओं को मन व कर्म में भी उतारने का संकल्प लेना चाहिए। उनकी शिक्षाएं 2615 सालों के बाद भी सही हैं। उन्होंने सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचैर्य और ब्रह्मचर्य के जो सिद्धांत दिए हैं वे आज भी प्रासंगिक हैं। हमें इन्हें जीवन में अपनाना है। तभी उनकी जयंती मनाना सार्थक है। इससे पहले मुनिश्री विनय कुमार आलोक ने कहा कि भगवान महावीर ने सिद्ध किया कि जो स्वयं को जीतता है वही विजेता होता है। उन्होंने कहा कि जन्म से कोई महान नहीं होता, कर्म से महान बनता है। उन्होंने उपस्थितजनों को महावीर जयंती पर पानी का अपव्यय न करने और दूसरों की निंदा न करने का संकल्प कराया।

समारोह में पूर्व रेल मंत्री पवन कुमार बंसल, चण्डीगढ़ भाजपा अध्यक्ष संजय टंडन, पंजाब के मुख्य निर्वाचक अधिकारी वी० के० सिंह, हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एस०के० जैन, आयकर विभाग के मुख्य आयुक्त के०सी० जैन देशबंधु विश्वविद्यालय के कुलपति डा० जोरा सिंह ने भी विचार रखे। अणुव्रत समिति, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष मनोज जैन ने सबका धन्यवाद किया।



